

असाधारणा EXTRAORDINARY

HIT II—NOU 3—39-NOU (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्रधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 151] नई विल्ली, बृहस्पतिवार, जून 5, 1980/क्येव्हा 15, 1902 No. 151] NEW DELHI, THURSDAY, JUNE 5, 1980/JYAISTHA 15, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या पी जाती हैं जिस**से कि वह अज्ञण संकटन के** रूप में रखा जा सबै

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

विस मंत्रालय

(राजस्य विभाग)

नई दिल्ली, 5 जून, 1980

अधिस्चना

सा. का. नि. 285(अ). केन्द्रीय सरकार, तस्कर और विवेशी मृता छलसाधक (सम्पत्ति समपहरण) अधिनियम, 1976 (1976 का 13) की धारा 12 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त किन्तयों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के वित्त मंत्रालय, राजस्व और बैंकिंग विभाग की अधिस्थना संख्या सा.का.नि. 3(अ), तारीख 3 जनवरी, 1977 का निम्नलिखित संशोधन करती हैं, अर्थाल्:---

उपत अधिसूचना में ''इलाहाबाद उच्च न्यायालय के सेवा निवृत्त न्यायधीश 241 GI/80 (553) माननीय श्री ज्ञान भन्द माथुर' शब्दों के स्थान पर ''दिल्ली उच्च न्यायालय के सेवा निवृत्त न्यायाधीश माननीय फौजा सिंह गिल' शब्द रखे जाएंगे।

फा. सं. 22/14/80-प्रशा. 1क(क)]

कैलाक पीत दत्त टीपडन, डेस्क अधिकारी

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

New Delhi, the 5th June, 1980 NOTIFICATION

G.S.R. 285(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 12 of the Smugglers and Foreign Exchange Manipulators (Forfeiture of Property) Act, 1976 (13 of 1976), the Central Government makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No. G.S.R. 3(E) dated the 3rd January, 1977 namely:—

In the said notification for the words "Hon'ble Shri Justice Gyan Chand Mathur, retired Judge of the Allahabad High Court", the words "Hon'ble Shri Justice Fauja Singh Gill, retired Judge of the Delhi High Court" shall be substituted.

[F. No. 22/14/80-Ad. I-A(C)] KAILASH P. D. TNDAN, Desk Officer